संख्या-353/2018/217/22-2-2018-17(185)/2012

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ: दिनांक 19 अप्रैल, 2018***

विषय:- केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी उदयभान सिंह उर्फ डाक्टर सिंह पुत्र स्व0 तहसीलदार सिंह, जनपद-मिर्जापुर की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-3665/प्रोबे0-5-दयायाचिका/895 दिनांक 30-01-2018 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार बन्दी उदयभान सिंह उर्फ डाक्टर सिंह पुत्र स्व0 तहसीलदार सिंह, निवासी-सेमरा, थाना-चील्ह, जनपद-मिर्जापुर का रहने वाला है। बन्दी द्वारा ठेकेदारी की पुरानी रंजिश को लेकर दिनांक 04.04.1999 को 13 अन्य सहअभियुक्त के साथ मिलकर बन्दूक पिस्तौल व कारबाईन से गोली मारकर 03 व्यक्तियों की हत्या कर अपराध कारित किया गया है। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-162/2000 में भा0द0वि0 की धारा-147, 148, 302/149 के अन्तर्गत मा0 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एफ0टी0सी0 नं0-01), भदोही-ज्ञानपुर के आदेश दिनांक 24.04.2004 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। उक्त दण्ड के विरूद्ध बन्दी द्वारा मा0 उच्च न्यायालय में क्रि0 अपील सं0 2826/2004 योजित की गयी। मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 28.01.2005 द्वारा उक्त दण्ड को यथावत रखा गया। बन्दी का 01 सहअभियुक्त मा0 सत्र न्यायालय से दोषमुक्त, 04 अन्य सहअभियुक्त मा0 उच्च न्यायालय से दोषमुक्त, 03 अन्य सहअभियुक्त की मृत्यु तथा 05 अन्य सहअभियुक्त कारागार में सजा भुगत रहे हैं। बन्दी द्वारा दिनांक 21.09.2016 तक 14 वर्ष 09 माह 13 दिन की अपरिहार सजा तथा 17 वर्ष 04 माह 07 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। पुलिस अधीक्षक तथा जिला मजिस्ट्रेट ने बन्दी का अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित किये बिना व्यक्ति विशेष तक सीमित अपराध की श्रेणी में न होने, जेल से छूटने के बाद पुन: अपराध करने की संभावना होने तथा बन्दी के परिवार की सामाजिक, आर्थिक दशा बन्दी की समयपूर्व रिहाई हेतु उपयुक्त न होने की आख्या अंकित करते हुए समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की है। दयायाचिका समिति द्वारा बन्दी की आयु, काटी गयी सजा, कारित अपराध की प्रकृति, जिला मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधीक्षक की आख्या के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि विषयांकित बन्दी उदयभान सिंह उर्फ डाक्टर सिंह(बन्दी संख्या-25692) पुत्र स्व0 तहसीलदार सिंह, जनपद-मिर्जापुर की संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दया याचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक विचारोपरान्त शासन द्वारा **अस्वीकार** कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

संख्या-353/2018/217(1)/22-2-2018 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, मिर्जापुर।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ ।
4- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(कलाम मुहीउद्दीन)
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in